कानपुर, गुरुवार, 29 जनवरी, 2026
वर्षः 03, अंकः 30, पृष्ठः 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

इनसाइड अजित पवार को अंतिम विदाई ...>Pg12
केडीए की सर्जिकल स्ट्राइक...>Pg03

मूल्य: 2 ₹

यूजीसी के नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए लगाई रोक

क्या हम उल्टी दिशा में जा रहे...

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

नई दिल्ली। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए नियमों को लेकर उठे विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा हस्तक्षेप करते हुए उन्हें फिलहाल लागू करने पर रोक लगा दी है। शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार और यूजीसी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है और स्पष्ट किया है कि अगली सुनवाई 19 मार्च को होगी, तब तक वर्ष 2012 के यूजीसी रेगुलेशन ही लागू रहेंगे।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए नए रेगुलेशन की भाषा और उसकी संवैधानिक वैधता पर गंभीर सवाल खड़े किए। अदालत ने कहा कि नियमों की अस्पष्टता से दुरुपयोग की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने दलील दी कि यूजीसी के नए नियमों के सेक्शन 3(सी) में भेदभाव की जो परिभाषा दी गई है, वह संविधान की मूल भावना के विपरीत है। उन्होंने कहा कि संविधान भेदभाव को सभी नागरिकों के संदर्भ में देखता है, जबकि नए नियम इसे कुछ सीमित वर्गों तक बांध देते हैं।

- शीर्ष कोर्ट ने कहा अस्पष्ट नियमों से बिगड़ सकता है संवैधानिक संतुलन
- केंद्र सरकार और आयोग को नोटिस, अगले आदेश तक 2012 वाले नियम लागू रहने का आदेश दिया

क्या हैं यूजीसी के विवादित नए नियम

- हर उच्च शिक्षण संस्थान में इक्विटी कमेटी का गठन अनिवार्य
- भेदभाव की शिकायतों की जांच और कार्रवाई कमेटी के जिम्मे
- कमेटी में SC-ST-OBC, महिला और दिव्यांग वर्ग का प्रतिनिधित्व जरूरी
- अनुपालन न होने पर संस्थान की मान्यता पर असर

रैगिंग प्रावधान हटाने पर भी सवाल

एक अन्य याचिकाकर्ता के वकील ने अदालत को बताया कि नए यूजीसी नियमों में रैगिंग से जुड़े प्रावधानों को हटा दिया गया है, जो छात्रों की सुरक्षा के लिहाज से गंभीर चूक है। उन्होंने आशंका जताई कि नया रेगुलेशन शिक्षा व्यवस्था को आगे बढ़ाने के बजाय पीछे ले जा सकता है और सामान्य वर्ग से आने वाले छात्रों को पहले दिन से ही संदेह की नजर से देखा जा सकता है।

इस पर मुख्य न्यायाधीश ने उदाहरण देते हुए सवाल किया यदि दक्षिण भारत का कोई छात्र उत्तर भारत में या उत्तर का छात्र दक्षिण में पढ़ाई करता है और उसके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी होती है, जबकि उसकी जाति की जानकारी ही न हो, तो ऐसे मामले में कौन सा प्रावधान लागू होगा?

'75 साल बाद भी जातियों से मुक्त नहीं समाज'

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा "आजादी के 75 साल बाद भी समाज जातियों से मुक्त नहीं हो पाया है। सवाल यह है कि क्या ऐसे कानून समाज को आगे ले जाएंगे या और पीछे धकेल देंगे? "अदालत ने नियमों की भाषा पर चिंता जताते हुए कहा कि अस्पष्ट प्रावधान भविष्य में मनमाने इस्तेमाल का रास्ता खोल सकते हैं।

- यूजीसी के नए नियमों पर तत्काल अंतरिम रोक
- केंद्र सरकार और यूजीसी को नोटिस जारी
- अगली सुनवाई 19 मार्च को
- तब तक 2012 का यूजीसी रेगुलेशन लागू
- भेदभाव की परिभाषा पर संवैधानिक सवाल
- नियमों के दुरुपयोग की आशंका पर कोर्ट की टिप्पणी
- रैगिंग प्रावधान हटाने पर गंभीर आपत्ति

याचिकाकर्ताओं का आरोप

- नियमों में सामान्य वर्ग के लिए सुरक्षा का अभाव
- शिकायत भर से दोषी ठहराए जाने की आशंका
- इक्विटी के नाम पर एकतरफा व्यवस्था थोपने का आरोप
- शैक्षणिक स्वतंत्रता और निष्पक्षता पर सीधा खतरा
- देशभर में बढ़ा सियासी और सामाजिक टकराव
- कई राज्यों में छात्र संगठनों का विरोध प्रदर्शन
- विपक्ष ने नियमों को जल्दबाजी में लिया गया फैसला बताया
- कुछ संगठनों ने इसे समाज विभाजक करार दिया
- समर्थकों का दावा– यह कदम भेदभाव के खिलाफ जरूरी

गुजरात में पकड़ा गया संदिग्ध आतंकी फैजान यूपी एटीएस करेगी आमने–सामने पूछताछ

- पिस्टल, छह कारतूस और आतंकी साजिश से जुड़ा डिजिटल डेटा बरामद
- मोबाइल में भड़काऊ चैट, फोटो और संदिग्ध संपर्क मिले
- स्लीपर सेल और बड़े नेटवर्क की आशंका, एजेंसियां अलर्ट

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ। गुजरात से गिरफ्तार किए गए संदिग्ध आतंकी फैजान को लेकर उत्तर प्रदेश एटीएस पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गई है। फैजान के उत्तर प्रदेश, खासकर रामपुर जिले से जुड़े तारों की गहन जांच के लिए यूपी एटीएस की एक विशेष टीम अहमदाबाद रवाना हो चुकी है। शुरुआती जांच में फैजान का यूपी कनेक्शन सामने आने के बाद सुरक्षा एजेंसियों की चिंता और बढ़ गई है।

गुजरात एटीएस ने हाल ही में फैजान को नवसारी जिले से गिरफ्तार किया था। तलाशी के दौरान उसके पास से एक पिस्टल, छह जिंदा कारतूस और आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई। एजेंसियों के मुताबिक, फैजान आतंकी संगठनों के संपर्क में था और किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की तैयारी कर रहा था।

मोबाइल से खुली साजिश की परतें

जांच में फैजान के मोबाइल फोन से आतंकी साजिश से जुड़ी संदिग्ध चैट, भड़काऊ फोटो और डिजिटल सामग्री बरामद हुई है। वह इंटरनेट मीडिया पर भी लगातार उकसाने वाली और कट्टरपंथी सोच को बढ़ावा देने वाली पोस्ट कर रहा था। बताया जा रहा है कि 22 वर्षीय फैजान नवसारी में दर्जी का काम करता था और वहीं रहकर अपने नेटवर्क को धीरे-धीरे विस्तार दे रहा था।

यूपी एटीएस के सामने बड़े सवाल

अब यूपी एटीएस फैजान से यह जानने की कोशिश करेगी कि क्या वह अकेले काम कर रहा था या इसके पीछे किसी बड़े आतंकी नेटवर्क की साजिश है? यूपी में उसके कौन-कौन से संपर्क हैं? कहीं कोई स्लीपर सेल तो सक्रिय नहीं? सुरक्षा एजेंसियां इस पूरे मामले को राज्य और देश की आंतरिक सुरक्षा से जुड़ा गंभीर खतरा मान रही हैं और हर एंगल से जांच तेज कर दी गई है।

SWACHH SURVEKSHAN
#Mera Shahar, Meri Pehchan 2023

Ministry of Housing and Urban Affairs
Government of India

श्री ए० के० शर्मा, नगर विकास मंत्री

श्रीमती प्रमिला पाण्डेय, महापौर

नगर निगम कानपुर

आइए! मिलकर स्वच्छता के प्रति कदम बढ़ाए, अपने कानपुर नगर को स्वच्छ बनाएं।

नगर की सफ़ाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में हमे चाहिए आपका सहयोग। इसी क्रम में हम आपसे अपील करते है कि

- अपने घर के कूड़े को प्रथक-प्रथक करके नगर निगम द्वारा संचालित डोर टू डोर कूड़ा गाड़ी में ही डालें।
- सड़क पर कूड़ा न फेंके।
- आस पास साफ सफाई रखें, कूड़ा कूड़ेदान में ही डालें।
- प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग न करें।
- Reduse, Reuse, Recycle की अवधारणा को अपने जीवन में आदत के रूप में ढालें।
- कानपुर नगर को साफ व स्वच्छ बनाने में कानपुर नगर निगम का सहयोग करें।

SAY NO TO PLASTIC

/KANPUR MUNICIPAL CORPORATION

श्री अर्पित उपाध्याय (आईएएस) नगर आयुक्त

केडीए की सर्जिकल स्ट्राइक

डॉ रवि प्रताप सिंह की अगुवाई में प्लॉटिंग माफियाओं पर चला बुलडोजर

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। अवैध प्लॉटिंग और अनाधिकृत निर्माण के खिलाफ कानपुर विकास प्राधिकरण ने सख्त रुख अपनाते हुए बुधवार को बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक की। प्रवर्तन जोन-1बी की टीम ने लगभग 12 बीघा क्षेत्रफल में फैली अवैध प्लॉटिंग पर ध्वस्तीकरण व सीलिंग की कार्रवाई कर माफियाओं में हड़कंप मचा दिया।

प्राधिकरण के निर्देशन में विशेष कार्याधिकारी के नेतृत्व में कटरी ख्यौरा और हिन्दूपुर क्षेत्र में बिना स्वीकृत मानचित्र और अनुमति के विकसित की जा रही लगभग 9.5 बीघा अवैध प्लॉटिंग को ध्वस्त किया गया। कार्रवाई के दौरान अवैध रूप से बनाई गई सड़कें, नाले, बाउंड्रीवाल, एंट्री गेट, पिलर, सीवर लाइन, इंटरलॉकिंग ईंटें और लगभग 35 बिजली के खंभों को 3 जेसीबी मशीनों से पूरी तरह समाप्त कर दिया गया।

कटरी ख्यौरा में लगभग 5.5 बीघा तथा हिन्दूपुर में लगभग 4.0 बीघा क्षेत्रफल में की जा रही अवैध प्लॉटिंग पर यह कार्रवाई की गई, जो बिना किसी स्वीकृति के विकसित की जा रही थी।

इसके साथ ही प्रतापपुरहरी स्थित समृद्धि विहार फेस-2 में लगभग 2.5 बीघा क्षेत्रफल में किए गए अनाधिकृत निर्माण को नगर योजना एवं विकास अधिनियम 1973 की धारा 28(क) के तहत सील कर दिया गया।

प्रवर्तन कार्रवाई के दौरान पुलिस बल की मौजूदगी में पूरी प्रक्रिया को अंजाम दिया गया, जिससे किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो सके। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि थाना नवाबगंज और बिठूर क्षेत्र के अंतर्गत लगभग 4.5 बीघा क्षेत्रफल में अवैध निर्माण और प्लॉटिंग को चिन्हित किया जा चुका है, जिन पर शीघ्र ही सीलिंग और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी।

कानपुर विकास प्राधिकरण ने साफ संदेश दिया है कि अवैध प्लॉटिंग करने वालों के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और शहर की जमीन को माफियाओं से मुक्त कराया जाएगा।

अन्य दिनों में की गई प्रमुख कार्रवाई

- कानपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अवैध निर्माण और प्लॉटिंग के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बीते दिनों में भी लगातार सख्त कार्रवाई की गई है।
- विभिन्न क्षेत्रों में बिना स्वीकृत मानचित्र विकसित की जा रही अवैध प्लॉटिंग को चिन्हित कर नोटिस जारी किए गए।
- प्रवर्तन टीम द्वारा कई स्थानों पर अवैध बाउंड्रीवाल, सड़क निर्माण, प्लॉट कटिंग के निशान और अस्थायी निर्माण हटाए गए।
- बिना अनुमति लगाए गए बिजली के खंभे, पिलर और इंटरलॉकिंग ईंटों को ध्वस्त किया गया।
- पूर्व में सील किए गए परिसरों का निरीक्षण कर सीलिंग की पुष्टि की गई और उल्लंघन पाए जाने पर सख्त चेतावनी दी गई।
- थाना नवाबगंज और बिठूर क्षेत्र में फैली लगभग 4.5 बीघा अवैध प्लॉटिंग को चिन्हित कर आगामी कार्रवाई की तैयारी की गई।
- प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि अवैध प्लॉटिंग और निर्माण के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा और किसी भी स्तर पर ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

आईएएस बनने का झांसा देकर युवती से 71 लाख की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

- सरकारी बैंक अधिकारी से आईएएस तक का फर्जी दावा, नकली ई-मेल और नियुक्ति पत्र से बनाया भरोसा
- शादी का झांसा देकर नकद और जेवर लिए, पैसे मांगे तो चाकू दिखाकर धमकी का आरोप

कानपुर। कानपुर में एक युवती से आईएएस में चयन का झांसा देकर 71 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। आरोपी युवक ने पहले खुद को सरकारी बैंक का अधिकारी बताया, फिर एसडीएम और अंत में आईएएस में चयनित होने का दावा किया। शादी का वादा कर उसने नकद रकम और कीमती जेवर हड़प लिए। पुलिस ने आरोपी नीतेश पांडेय को गिरफ्तार कर लिया है।

पीड़िता कल्याणपुर क्षेत्र की निवासी है और एक मीडिया संस्थान में कार्यरत है। उसके पिता नगर निगम में लिपिक हैं, जबकि मां का पहले ही निधन हो चुका है। घर की जमा पूंजी और गहने पीड़िता के पास ही थे। पीड़िता के भाई के अनुसार, आरोपी ने पहले 26 लाख 50 हजार रुपये नकद लिए और बाद में करीब 45 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवर भी हड़प लिए। कुल ठगी की रकम लगभग 71 लाख रुपये बताई जा रही है।

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि शुक्लागंज निवासी दिवाकर मिश्रा उर्फ सत्यम के जरिए उसकी मुलाकात चकेरी निवासी नीतेश पांडेय से हुई थी। नीतेश ने पहले खुद को सरकारी बैंक का फील्ड अधिकारी बताया, बाद में उप जिलाधिकारी और फिर आईएएस में चयन का दावा किया। उसने सरकारी विभाग की वेबसाइट जैसी दिखने वाली फर्जी ई-मेल आईडी से नकली नियुक्ति पत्र और अन्य दस्तावेज भेजकर भरोसा दिलाया।

आरोपी ने कहा कि आईएएस प्रशिक्षण पूरा होने के बाद वह पीड़िता से शादी करेगा। इस झांसे में आकर पीड़िता ने उस पर पूरा भरोसा कर लिया। कुछ समय बाद आरोपी दूरी बनाने लगा। जब पीड़िता को संदेह हुआ और उसने पैसे वापस मांगे तो आरोपी ने फर्जी चेक देकर टालमटोल शुरू कर दी।

आरोप है कि दबाव बढ़ने पर आरोपी ने पीड़िता को जान से मारने, निजी तस्वीरें वायरल करने और झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी दी। 14 अक्टूबर 2025 को पीड़िता जब दिवाकर मिश्रा के घर पहुंची तो आरोपी ने चाकू दिखाकर गाली-गलौज की और पूरे परिवार को खत्म करने की धमकी दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है और ठगी में इस्तेमाल किए गए दस्तावेजों की भी पड़ताल की जा रही है।

बिग बॉस-19 विजेता गौरव खन्ना का अभिनंदन

सेठ आनंदराम जैपुरिया स्कूल में अभिनंदन समारोह का आयोजन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। सेठ आनंदराम जैपुरिया स्कूल, कानपुर में विद्यालय के यशस्वी पूर्व छात्र, प्रसिद्ध टीवी अभिनेता एवं बिग बॉस-19 के विजेता गौरव खन्ना के सम्मान में अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर जैपुरिया शिक्षण समूह के निदेशक हरीश सदूज, विद्यालय के प्रधानाचार्य गणेश प्रसाद तिवारी तथा जोसा (छुहूर) के अध्यक्ष संदीप महेंद्रा ने गौरव खन्ना को स्मृति-चिह्न एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया।

समारोह को संबोधित करते हुए गौरव खन्ना ने इस आत्मीय सम्मान के लिए विद्यालय परिवार का हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कानपुर के एक मध्यमवर्गीय परिवार से निकलकर एक सफल एवं चर्चित टेलीविजन अभिनेता बनने तक के अपने प्रेरणादायक और संघर्षपूर्ण सफर को साझा किया। अपने स्कूल के दिनों को भावुक होकर याद करते हुए उन्होंने कहा कि सेठ आनंदराम जैपुरिया स्कूल ने उन्हें केवल शिक्षा ही नहीं दी, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और नैतिक मूल्यों की वह मजबूत नींव प्रदान की, जो आज उनके जीवन की सबसे बड़ी पूँजी है।उल्लेखनीय है कि गौरव खन्ना का जन्म 11 दिसंबर 1981 को कानपुर, उत्तर प्रदेश में हुआ। आज वे भारतीय टेलीविजन के लोकप्रिय अभिनेताओं में शामिल हैं। अनुपमा, सी.आई.डी. और ये प्यार ना होगा कम जैसे चर्चित धारावाहिकों में उनकी सशक्त भूमिकाओं को दर्शकों ने खूब सराहा है। उन्होंने 7 दिसंबर 2025 को बिग बॉस-19 का खिताब जीता था।

इसके अतिरिक्त वे सेलिब्रिटी मास्टरशेफ इंडिया के विजेता भी रह चुके हैं। इस अवसर पर विद्यालय के उप-प्रधानाचार्य एम. के. मिश्रा, उप-प्रधानाचार्या मधुश्री भौमिक, जी.एम. शैलेंद्र अग्निहोत्री, मिडिल स्कूल/कॉलेज की मुख्य अध्यापिका ममता शर्मा, जूनियर स्कूल की मुख्य अध्यापिका शालिनी शुक्ला, कैम्ब्रिज स्कूल की मुख्य अध्यापिका सुश्री अपर्णा चौहान, शिक्षकगण, छात्र एवं पूर्व छात्रगण उपस्थित रहे।

28 किलो गांजा के साथ दो अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

» जीआरपी व आरपीएफ की संयुक्त टीम को मिली सफलता

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर।मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन परिसर से दो अंतरराज्यीय गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के कब्जे से कुल 28 किलो 623 ग्राम गांजा बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 14 लाख रुपये बताई जा रही है।

सेंट्रल स्टेशन क्षेत्र में गश्त के दौरान हैरिसगंज पुल के पास दो व्यक्ति पीठ पर पिट्ठू बैग लेकर संदिग्ध अवस्था में आते दिखाई दिए। शक होने पर उन्हें रोककर पूछताछ की गई। तलाशी के दौरान दोनों के बैग से टेप से सील किए गए कुल 22 बंडल बरामद हुए। बंडलों को खोलकर जांच करने पर उनमें गांजा पाया गया।पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम गौतम राय, निवासी पटना (बिहार) और महेश अहिरवार, निवासी टीकमगढ़ (मध्य प्रदेश) बताया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे ओडिशा के भुवनेश्वर से चोरी-छिपे सस्ते दामों में गांजा खरीदकर कानपुर और आसपास के क्षेत्रों में सप्लाई करते थे।

डीआरएम ने किया कानपुर सेंट्रल का निरीक्षण

सुरक्षा, परीक्षार्थियों व माघ मेला व्यवस्थाओं पर विशेष जोर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज मंडल के डीआरएम रजनीश अग्रवाल ने गुरुवार को कानपुर सेंट्रल स्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने अमृत भारत योजना के तहत चल रहे विकास कार्यों, यात्री सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

डीआरएम ने आगामी प्रतियोगी परीक्षाओं और माघ मेले के शेष स्नानों को देखते हुए भीड़ नियंत्रण, प्लेटफॉर्म प्रबंधन और होल्डिंग एरिया की बेहतर व्यवस्था के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यात्रियों और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। निरीक्षण के बाद अधिकारियों के साथ बैठक कर साफ-सफाई, सूचना व्यवस्था और सुरक्षा को और मजबूत करने के निर्देश दिए गए। प्रयागराज आरपीएफ कमांडर विजय प्रकाश पंडित, स्टेशन डायरेक्टर आशुतोष सिंह, स्टेशन मास्टर अवधेश त्रिवेदी तथा आरपीएफ सहायक सुरक्षा आयुक्त विवेक वर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सम्पादकीय

महाराष्ट्र में खलेगी अजित पवार की कमी

दुखद हादसा बुधवार सुबह बारामती के पास हुई एक विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार व चालक दल के सदस्यों समेत पांच लोगों की दुखद मृत्यु हो गई। मुंबई से बारामती आ रहा चार्टर विमान मौसम की खराबी के कारण रनवे के करीब दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना के कारणों का असली पता जांच के बाद ही चलेगा, मगर प्रथम दृष्टया धुंध के कारण दृश्यता में कमी ही बताया जा रहा है। महाराष्ट्र में छह बार उप मुख्यमंत्री रहे अजित पवार के राज्य में राजनीतिक योगदान को नकारा नहीं जा सकता। राज्य में तीन दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की गई है और राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री व अन्य विपक्षी दलों ने उनके निधन पर गहरा दुख जताया है। हालांकि, ममता बनर्जी ने उनकी मौत को लेकर कुछ सवाल खड़े किए हैं, लेकिन उनके राजनीतिक गुरु व चाचा शरद पवार ने उनकी मृत्यु को लेकर राजनीतिक बयानबाजी को खारिज किया है। निश्चय ही महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री और नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी यानी एनसीपी के नेता अजित पवार की असामयिक दुर्घटना में मृत्य ने महाराष्ट्र की राजनीति में एक शून्य जरूर पैदा कर दिया है। वहीं डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन यानी डीजीसीए के मुताबिक दुर्घटना क्रैश लैंडिंग के दौरान हुई। रनवे के निकट हुए हादसे में विमान में आग लग गई और स्थानीय लोगों के प्रयासों के बावजूद किसी को बचाया नहीं जा सका। विमान लियरजेट-45 सोलह साल पुराना था। घटना पर राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने तीन दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। निस्संदेह, अजित पवार जनता के नेता थे और जमीनी स्तर पर लोगों से उनका गहरा जुड़ाव था। बताया जाता है कि प्रशासनिक मामलों में उनकी समझ गहरी थी। वे वंचित वर्ग को सशक्त करने के प्रयासों के लिये जाने जाते रहे हैं। बहरहाल, अजित पवार को महाराष्ट्र की राजनीति में उनके बदलते दांव-पेचों के लिये याद किया जाता रहेगा।

उनके बारे में कहा जाता रहा है कि वे उस कहावत को हकीकत बनाते रहे हैं कि राजनीति में कोई स्थायी दोस्त नहीं होता और ना ही स्थायी दुश्मन। वे अपनों के साथ तो रहे, गैरों को भी रास आए। उन्होंने चाचा और अपने राजनीतिक गुरु शरद पवार से राजनीति के गुर सीखे। शरद पवार को महाराष्ट्र की राजनीति का चाणक्य कहा जाता रहा है, लेकिन अजित पवार ने उनसे अलग होकर अपनी नई राह भी बनायी। यूं तो उन्होंने चाचा शरद के साथ राजनीतिक पारी शुरू की लेकिन साल 2023 आने तक वे एकला चलो की राजनीति करने लगे। हालांकि, उन्होंने चाचा शरद पवार की छत्रछाया में राजनीति का ककहरा सीखा लेकिन एक समय वे पार्टी का सिंबल भी ले जाने में कामयाब रहे। फिर शरद पवार को नई पार्टी बनाकर उपस्थिति दर्ज करानी पड़ी। बारहवीं तक पढ़ाई के बावजूद वे अनुभवी नीतिकारों की सहायता से एक बेहतर प्रशासक भी साबित हुए।

सहकारी चीनी मिलों से राजनीति की शुरुआत करने वाले पवार विधायक से लेकर सांसद तक चुने जाते रहे। वे राज्य में छह बार उप मुख्यमंत्री बने। साल 1991 में पहली बार बारामती से कांग्रेस के टिकट पर सांसद बने, लेकिन चाचा शरद पवार के लिये बाद में सीट खाली भी की। वे सबसे पहले 1995 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर विधायक बने।

उनकी लोकप्रियता का आकलन इस बात से किया जा सकता है कि वे सात बार विधायक चुने गए। फिर वे विलासराव देशमुख की कांग्रेस-एनसीपी गठबंधन सरकार में पहली बार सिंचाई मंत्री बने। फिर ग्रामीण विकास मंत्री भी रहे। बाद में वे एनसीपी-कांग्रेस गठबंधन में जल संसाधन मंत्री भी रहे।

अच्छी-सच्ची पत्रकारिता की कसौटी पर खरे उतरे मार्क

निरंजन पुरोहित

किसी भी पत्रकार के लिए मार्क टली जैसा विश्वास पाना किसी तमगे से कम नहीं है। वैसे उन्हें तमगे भी कम नहीं मिलेड्ढ भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री और पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित किया और इंग्लैंड की महारानी ने उन्हें... किसी भी पत्रकार के लिए मार्क टली जैसा विश्वास पाना किसी तमगे से कम नहीं है। वैसे उन्हें तमगे भी कम नहीं मिलेड्ढ भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री और पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित किया और इंग्लैंड की महारानी ने उन्हें 'सर' का खिताब दिया।यह मेरा दुर्भाग्य ही है कि मुझे बीबीसी के भारत स्थित संवाददाता स्वर्गीय मार्क टली से मिलने का कभी अवसर नहीं मिला, पर हकीकत यह भी है कि मैं पिछले चार-पांच दशकों में उनसे अक्सर मिलता रहा हूं। यह मिलना बीबीसी रेडियो के माध्यम से होता था। दशकों से रेडियो बीबीसी विश्वसनीय खबरों का एक पर्याय बन चुका हुआ था, और मेरे जैसे लाखों-करोड़ों श्रोता बीबीसी के माध्यम से ही खबरों की विश्वसनीयता परखा करते थे। बीबीसी को यह श्रेय जहां संस्थान की रीति-नीति के कारण मिलता था, वहीं सर मार्क टली जैसे सजग और ईमानदार पत्रकारों ने बीबीसी की विश्वसनीयता बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी।आज मार्क टली हमारे बीच नहीं हैं। भारत में ही जन्मे सर टली के निधन से ईमानदार पत्रकारिता का एक उत्कृष्ट उदाहरण हमारे बीच से उठकर चला गया। वे चाहते थे कि उनका निधन भारत में ही हो और यह संयोग मात्र नहीं है कि भारत के बनते इतिहास का यह साक्षी अपनी जन्मभूमि से ही विदा हुआ। आज जब रेडियो के माध्यम से समय की सच्चाई जानने वाले श्रोता उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं, तो उस व्यक्ति के साथ ही उस पत्रकारिता की बात भी होनी चाहिए, जिसके लिए वह जाना जाता रहा।

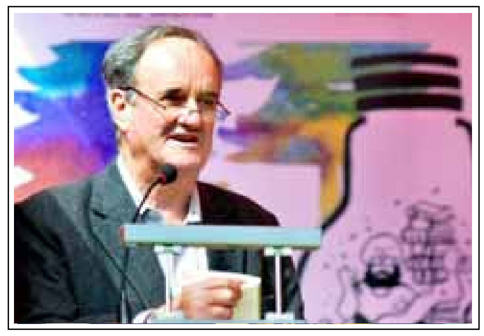

और यह अवसर इस बात का भी है कि हम पत्रकारिता, विशेषकर भारत की पत्रकारिता के बारे में भी सोचें, यह आकलन करने की कोशिश करें कि आज हमारी पत्रकारिता की स्थिति क्या है, और जैसी है, वैसी क्यों है?

अच्छी और सच्ची पत्रकारिता की शायद सबसे बड़ी कसौटी यह है कि विश्वसनीयता के संदर्भ में वह कहां ठहरती है। था एक ज़माना जब यह माना जाता था कि अखबार में यदि कुछ छपा है तो वह सही ही होगा, जो अखबार जितनी ज़्यादा तटस्थ और सही खबरें देता था, वह उतना ही बेहतर माना जाता था। अब जबकि अखबार के साथ टेलीविजन और सोशल मीडिया भी खबरों की दुनिया का हिस्सा, प्रमुख हिस्सा कहा जाना चाहिए, बन गया है, तो विश्वसनीयता का महत्व और बढ़ जाता है। जिसकी जितनी ज़्यादा पहुंच है, उससे उतनी ही ज़्यादा ईमानदारी की अपेक्षा की जाती है। यह ईमानदारी ही मीडिया के कद को नापती है।मुझे याद है जब प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 1984 में हत्या हुई तो राजीव गांधी दिल्ली से बाहर (बंगाल में) थे। तब उन्होंने बीबीसी रेडियो के माध्यम से ही समाचार की पुष्टि की थी। ज्ञातव्य है कि ऑल इंडिया रेडियो (एआईआर) ने तो शाम छह बजे तक उनकी मृत्यु की आधिकारिक घोषणा नहीं की थी। कारण कुछ भी बताये जायें, पर यह हकीकत अपनी जगह है कि राजीव गांधी को तब इंग्लैंड का बीबीसी रेडियो ही विश्वसनीय लगा था। यह तथ्य जहां बीबीसी के महत्व को दर्शाता है, वहीं इस बात को भी रेखांकित करता है कि मीडिया की विश्वसनीयता उसकी सबसे बड़ी ताकत होती है। यह दुर्भाग्य ही है कि आज हमारा रेडियो सरकारी सूचनाओं का भोंपू बनकर रह गया है! दुर्भाग्य यह भी है कि आज हमारे मीडिया का एक बड़ा हिस्सा विश्वसनीयता के संकट का शिकार हो गया है।लगभग आधी सदी पहले जब 1975 में देश में आपातकाल लागू किया गया था तो उसका सबसे बुरा असर मीडिया पर ही पड़ा था। अखबारों पर सेंसरशिप लगा दी गयी थी, कुछ भी छापने से पहले सरकारी एजेंसियों से अनुमति लेनी होती थी। उस कठिन समय में जिन गिने-चुने साहसी पत्रकारों ने सरकार के इस आदेश का पालन करने से इनकार किया, उनमें बीबीसी रेडियो के भारत स्थित संवाददाता मार्क टली का नाम बड़ी प्रमुखता से लिया जाता है। तब उन्हें चौबीस घंटे में भारत छोड़कर जाने का आदेश तत्कालीन सरकार ने दिया था। सरकार के आगे घुटने टेकने के बजाय मार्क टली ने अपने देश लौट जाना बेहतर समझा। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार और पत्रकारिता की विश्वसनीयता को बनाये रखने के लिए वे इंग्लैंड लौट गये। पर सरकार उनकी वाणी पर प्रतिबंध नहीं लगा पायी थी। लंदन में रहते हुए भी वह भारत स्थित अपने सूत्रों से सही सूचनाएं प्राप्त करते रहे– भारत समेत दुनिया भर के श्रोताओं तक उन्हें पहुंचाते रहे।यह सही है कि उस काल की भारत की पत्रकारिता पर अपयश के काले धब्बे लगे थे। आपातकाल के बाद बनी जनता पार्टी की सरकार में सूचना एवं प्रसारण मंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने तब कहा था, 'जब हमारे पत्रकारों को घुटने टेकने के लिए कहा गया तो वे रेंगने लगे थे।' पर सच यह भी है कि उस स्थिति के लिए सिर्फ पत्रकार ही दोषी नहीं थे, पत्रकारों से कहीं ज़्यादा डर तब मीडिया-मालिकों, प्रबंधकों को था।

लाभकारी टिकाऊ बिजनेस मॉडल की ओर बढ़ता रुझान

स्टार्टअप का लेखा-जोखा

क्षमा शर्मा

साल 2025 स्टार्टअप की दुनिया में उत्साह से अधिक विवेक का वर्ष रहा। यह स्पष्ट हुआ कि स्टार्टअप्स का भविष्य केवल बड़ी वैल्यूएशन में नहीं, बल्कि टिकाऊ बिज़नेस और सामाजिक प्रभाव में है। वहीं भारत ने साबित किया कि उसका स्टार्टअप इकोसिस्टम अब परिपक्वता की ओर बढ़ रहा है।साल 2025 स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए एक अहम मोड़ साबित हुआ, जहां केवल तेज़ ग्रोथ के बजाय टिकाऊ बिज़नेस मॉडल, मुनाफ़े और सामाजिक प्रभाव पर भी जोर दिया जाने लगा। अब स्टार्टअप्स को सफलता के लिए दीर्घकालिक स्थिरता और सामाजिक योगदान की कसौटी पर भी परखा जाने लगा है। पिछले एक दशक की तुलना में 2025 को 'संयम और परिपक्वता' का वर्ष कहा जा सकता है-जहां दुनिया भर में स्टार्टअप्स की संख्या भले ही तेज़ी से न बढ़ी हो, लेकिन जो स्टार्टअप टिके, वे अधिक मज़बूत और व्यावहारिक साबित हुए।

वर्ष 2025 में वैश्विक स्तर पर स्टार्टअप गतिविधियां अधिक यथार्थवादी रहीं। दुनियाभर में हजारों नए स्टार्टअप सामने आए, लेकिन निवेशकों और बाज़ार का रुख साफ़ था- अब केवल 'आइडिया' नहीं, बल्कि रेवेन्यू, कैश फ्लो और स्पष्ट बिज़नेस मॉडल मायने रखते हैं। कोरोना काल के बाद स्टार्टअप्स में निवेश एक तरह की दौड़ बन गया था, वहीं 2025 में फंडिंग अपेक्षाकृत चयनात्मक रही। अमेरिका, यूरोप और एशिया में बड़ी संख्या में स्टार्टअप्स ने खुद को पुनर्गठित किया, कई का विलय हुआ और कुछ बाज़ार से बाहर भी हो गए। वैश्विक स्तर पर अनुमान लगाया जाता है कि 2025 में लाखों नए स्टार्टअप पंजीकृत हुए, लेकिन उनमें से एक सीमित प्रतिशत ही वास्तव में 'सफल' कहलाने योग्य रहे-यानी जिन्होंने स्थिर राजस्व, विस्तार या लाभप्रदता की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए। वर्ष 2025 में सफलता की परिभाषा बदल गई। पहले जहां यूनिकॉर्न बनना ही सफलता का प्रतीक माना जाता था, वहीं अब सस्टेनेबल ग्रोथ, मुनाफ़ा और दीर्घकालिक

टिकाव को अधिक महत्व दिया जाने लगा। टेक्नोलॉजी, आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस, हेल्थटेक, क्लाइमेट टेक, फिनटेक और डीप-टेक जैसे क्षेत्रों में स्टार्टअप्स ने अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन किया। इसके विपरीत, केवल उपभोक्ता छूट और तेज़ विस्तार पर आधारित कई मॉडल कसौटी पर खरे नहीं उतरे।भारत 2025 में भी दुनिया के सबसे सक्रिय स्टार्टअप देशों में शामिल रहा। देश में लगभग 22,000 से अधिक नए स्टार्टअप्स पंजीकृत हुए- जो एक महत्वपूर्ण वृद्धि दर्शाता है और उद्यमशीलता की गति स्पष्ट करता है। हालांकि, बीता वर्ष भारत के लिए भी 'छंटाई' का वर्ष रहा- स्टार्टअप्स की संख्या में वृद्धि की रफ्तार कुछ धीमी पड़ी, लेकिन गुणवत्ता व फोकस में सुधार दिखा। कई स्टार्टअप्स ने आक्रामक विस्तार के बजाय लागत नियंत्रण, स्थानीय बाज़ार और मुनाफ़े पर ध्यान दिया। साल 2025 में भारत के स्टार्टअप परिदृश्य में एक सीमित हिस्सा ही बड़े पैमाने पर सफल हुआ। कुछ स्टार्टअप्स ने मुनाफ़े की दिशा में कदम बढ़ाए , कई का विलय या अधिग्रहण हुआ और कुछ बाज़ार की वास्तविकताओं के सामने टिक नहीं पाए। यह स्थिति नकारात्मक नहीं, बल्कि स्वस्थ इकोसिस्टम का संकेत है, जहां अव्यावहारिक मॉडल खुद ही बाहर हो जाते हैं। 2025 में वैश्विक स्टार्टअप परिदृश्य में भारत की स्थिति तीसरे या चौथे सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम के रूप में बनी रही। अमेरिका और चीन के बाद भारत को अक्सर यूरोप के साथ तुलना में रखा जाने लगा। भारत ने लगभग 125 यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स बनाए (स्टार्टअप्स जिनकी वैल्यू .1 बिलियन से अधिक है)। इनमें से कई ने इस वर्ष यह मुकाम हासिल किया और ग्रोथ जारी रखी।

भारत की खासियत रही कि वह केवल उपभोक्ता बाज़ार नहीं, बल्कि नवाचार और स्केल- दोनों का केंद्र बन रहा है। भारतीय स्टार्टअप्स अब केवल घरेलू नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों को भी लक्ष्य बना रहे हैं। हालांकि, पूंजी की उपलब्धता, गहन तकनीकी अनुसंधान और वैश्विक ब्रांड निर्माण के मामले में भारत अभी विकसित देशों से पीछे है। 2025 में स्टार्टअप निवेशकों का व्यवहार बदला हुआ दिखा। 'ग्रोथ एट ऑल कॉस्ट' की जगह 'सस्टेनेबल रिटर्न' निवेश का मंत्र बना। लेकिन बड़े फंडिंग राउंड्स की संख्या सीमित रही। इससे स्टार्टअप्स को अपने खर्च और रणनीति पर पुनर्विचार करना पड़ा। भारत में तकनीकी स्टार्टअप्स के लिए फंडिंग माहौल चुनौतीपूर्ण रहा। कुल इक्विटी फंडिंग पिछले साल के मुकाबले लगभग .10.5 बिलियन तक गिर गई। यह संकेत है कि निवेशक अब और अधिक सावधानी से धन लगा रहे हैं और केवल 'स्पष्ट प्रगति वाला मॉडल' ही पूंजी आकर्षित कर पा रहा है।

तालीम से ही समाज और मुल्क करता तरक्की

- 44वां उर्से शकूरी व जश्ने दस्तारबंदी, 32 छात्रों को मिली सनद
- मदरसा गौसिया कादरीया शकूरिया में भव्य आयोजन

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। कस्बा स्थित मदरसा गौसिया कादरीया शकूरिया में बुधवार को 44वां उर्से शकूरी और जश्ने दस्तारबंदी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम हज़रत सय्यद उवैस मुस्तफा वास्ती (बिलग्राम शरीफ) की सरपरस्ती में संपन्न हुआ। जलसे की कयादत मौलाना अनिसुर्रहमान नूरी और मौलाना मोहम्मद सलमान आरिफ ने की।

कार्यक्रम की शुरुआत मदरसे के छात्रों द्वारा कुरान-ए-पाक की तिलावत से हुई। इस दौरान 32 छात्रों को तलबा, आलिम, मुफ्ती और हाफिज़ की सनदें प्रदान की गईं। कस्बे के मौलाना नजरुल इस्लाम को बिलग्राम शरीफ से तशरीफ लाए हज़रत उवैस मुस्तफा मियां ने मुफ्ती की सनद से नवाज़ा। वहीं कौनैन रज़ा ख़ान और उवैस ख़ान क़ादरी को हाफिज़ की दस्तार पहनाई गई। जलसे को संबोधित करते हुए जिला बहराइच से आए मुफ्ती रफीक आलम ने कहा कि शिक्षा से ही समाज और मुल्क तरक्की करता है। बच्चों को दीनी तालीम के साथ दुनियावी शिक्षा देना समय की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि कुरान-ए-पाक में सबसे पहला हुक्म पढ़ने का दिया गया है, जिससे शिक्षा की अहमियत साफ झलकती है। मौलाना फुरकान ख़ान ने कहा कि इल्म हासिल करने के रास्ते में आने वाली मुश्किलों से घबराने के बजाय उनका सामना करना चाहिए। इल्म ही इंसान को सही और गलत की पहचान कराता है।

शहरकाज़ी मौलाना अनिसुर्रहमान ने कहा कि बच्चों को सही दिशा में तालीम दी जाए तो वे कौम का भविष्य बनते हैं, जबकि तालीम से दूर रहने पर समाज को नुकसान उठाना पड़ता है। कार्यक्रम के समापन पर सलातो-सलाम के बाद मुख्य अतिथि काज़ी-ए-शहर कानपुर मुफ्ती साकिब अदीब मिस्बाही ने देश की तरक्की और अमन-चैन की दुआ कराई। जलसे में बिल्हौर समेत कानपुर, कन्नौज और आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इस मौके पर डॉ. गुलाम हुसैन, शिक्षक सुलतान आरिफ,कलीम अहमद, मुहीउद्दीन, आरिफ, अरशद खान आदि मौजूद रहे।

ग्राम न्यायालय में एक विवाद का मौके पर फैसला

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

- राजस्व, पारिवारिक, रास्ता विवाद, लेन-देन सहित अन्य स्थानीय मामलों की सुनवाई की गई

ककवन/बिल्हौर (कानपुर)। ककवन ब्लॉक मुख्यालय परिसर में ग्राम न्यायालय का आयोजन किया गया। ग्राम न्यायालय का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे-मोटे विवादों का त्वरित निस्तारण कर आम जनता को न्याय दिलाना है। आयोजन के दौरान एक आपसी विवाद का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। ग्राम न्यायालय में राजस्व, पारिवारिक, रास्ता विवाद, लेन-देन सहित अन्य स्थानीय मामलों की सुनवाई की गई।

सुनवाई के समय संबंधित विभागों के अधिकारी, राजस्व कर्मी और पुलिस विभाग के प्रतिनिधि मौजूद रहे, जिससे मामलों का निष्पक्ष और शीघ्र निस्तारण संभव हो सका। ग्राम न्यायालय की पीठ पर पीठासीन अधिकारी विकास कुमार मौजूद रहे। उनके साथ पेशकार विमलेश कुमार, अर्दली शमीर अहमद और कोर्ट मोहर्रिर विनय कुमार ने मुकदमों की सुनवाई की। प्रशासन ने क्षेत्र के लोगों से अपील की है कि वे ग्राम न्यायालय में निर्धारित समय पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर इस सुविधा का लाभ उठाएं। ग्राम न्यायालय से ग्रामीणों को कोर्ट-कचहरी के चक्कर से राहत मिलने की उम्मीद है।

ऑडिट आपत्तियों में लापरवाही पर चार ग्राम विकास अधिकारियों से हटाया सचिव पद

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

- निस्तारण न होने पर जिला प्रशासन की सख्त कार्रवाई
- मनरेगा गबन मामले में दो अधिकारी पहले से निलंबित

बिल्हौर (कानपुर)। ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों की जांच के दौरान सामने आई ऑडिट आपत्तियों के निस्तारण में लापरवाही बरतने पर चार ग्राम विकास अधिकारियों को सचिव पद के दायित्वों से मुक्त कर दिया गया है। यह कार्रवाई मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन की संस्तुति पर जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह के अनुमोदन के बाद की गई।

लेखा परीक्षा विभाग द्वारा ग्राम पंचायतों में किए गए व्यय की वार्षिक ऑडिट रिपोर्ट में कई वर्षों से लंबित गंभीर आपत्तियां पाई गई थीं। संबंधित अधिकारियों को बार-बार नोटिस, अनुस्मारक पत्र और समीक्षा बैठकों के माध्यम से आपत्तियों के निस्तारण का अवसर दिया गया, लेकिन अपेक्षित प्रगति न होने पर प्रशासन ने कठोर कदम उठाया।कार्रवाई के तहत पुनीत मिश्रा (विकास खंड सरसौल), जितेन्द्र सिंह (विकास खंड बिल्हौर), प्रभात मोहन श्रीवास्तव (विकास खंड घाटमपुर) और अखिलेश कुमार (विकास खंड ककवन) को सचिव पद से हटा दिया गया है। फिलहाल इन्हें उनके वर्तमान विकास खंड कार्यालयों में संबद्ध किया गया है। ऑडिट आपत्तियों के पूर्ण निस्तारण तक यह व्यवस्था प्रभावी रहेगी।

वहीं, मनरेगा में वित्तीय गबन के आरोप में ग्राम विकास अधिकारी रवि यादव तथा अनियमितताओं के मामले में ग्राम पंचायत अधिकारी अमिताभ पाल पहले से निलंबित चल रहे हैं। इन दोनों अधिकारियों के खिलाफ भी ऑडिट में बड़ी संख्या में आपत्तियां दर्ज पाई गई हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पंचायत स्तर पर वित्तीय अनुशासन और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

अधूरा नाला बना परेशानी का सबब

बारिश के बाद कीचड़ में तब्दील हुआ मार्ग

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

- मुख्य रास्ते पर जलभराव से फिसलकर गिर रहे राहगीर, स्कूली बच्चों को सबसे ज्यादा दिक्कत

बिल्हौर(कानपुर)। बिल्हौर ब्लॉक के ग्राम बकोठी में नाले का निर्माण कार्य अधूरा पड़े होने से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गांव का यह मार्ग क्षेत्र का मुख्य आवागमन रास्ता है, लेकिन निर्माण रुकने के कारण बारिश के बाद यहां जलभराव और कीचड़ फैल गया है।

ग्रामीणों के अनुसार, बीते दिन हुई बारिश के बाद सड़क पर पानी भर गया, जिससे फिसलन बढ़ गई। हालात ऐसे हो गए हैं कि लोगों का पैदल चलना भी मुश्किल हो रहा है। कीचड़ भरे रास्ते पर कई लोग फिसलकर गिर चुके हैं, जिनमें कुछ को हाथ-पैर और कंधों में चोटें भी आई हैं।सुबह से ही लोग मजबूरी में इसी मार्ग से गुजर रहे हैं। स्कूली बच्चों को स्कूल पहुंचने में कठिनाई हो रही है, वहीं महिलाओं और बुजुर्गों को भी खासा जोखिम उठाना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यह समस्या रोजमर्रा की जिंदगी को बुरी तरह प्रभावित कर रही है।स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस समस्या की जानकारी संबंधित विभाग और अधिकारियों को कई बार दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। प्रशासन की उदासीनता से ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। पिंटू कटियार, विजय कटियार, विनय यादव, आशीष कटियार और रचित कटियार सहित अन्य ग्रामीणों ने प्रशासन से

जल्द नाले का निर्माण कार्य पूरा कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो स्थिति और गंभीर हो सकती है।

बेटी के बदलते बयान, करीबी के इर्द-गिर्द घूमी जांच की सुई

शिक्षामित्र हत्याकांड

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

उन्नाव। उन्नाव जिले में गोकुलपुर गांव में महिला शिक्षामित्र की मंगलवार की रात मारकर हत्या कर दी गई। मामले में जांच करने गई पुलिस के सामने मृतक शिक्षामित्र की बेटी ने दो बार बयान बदले। पुलिस को पता चला कि करीब डेढ़ महीने पहले पति ने 15 लाख रुपये में एक बीघा जमीन बेची थी। पुलिस उस बिंदु पर भी जांच कर रही है।

बेटी रिया ने पहले पुलिस को बताया कि मां बाथरूम से लौट रही थीं, तब सीने में सामने से गोली मारी गई। गोली मारने वाले को उसने भागते हुए देखा। कुछ देर बाद उसने बताया कि गोली की आवाज सुनकर जब आंखें खोलने का प्रयास किया, तो धुंधलापन दिख रहा था ऐसा लग रहा था आंखों में कुछ डाल दिया गया हो। पिता और बेटी के बयानों में भी अंतर मिला है।

15 लाख रुपये में बेची थी जमीन

पूछताछ में यह भी सामने आया कि पति ने 15 लाख रुपये में जमीन बेची थी। पुलिस इस संभावना पर भी विचार कर रही है कि परिवार के किसी सदस्य को इस पैसे की जानकारी थी और लूट के इरादे से घुसे व्यक्ति ने देख लिए जाने पर घटना को अंजाम दिया हो। यह भी पता चला है कि जमीन बेचने के बाद ओमकार अक्सर शराब और मीट पार्टी के लिए एक व्यक्ति के घर जाता था, जिसका श्रीकांति विरोध करती थीं।

सात फरवरी को है जेठ के बेटे की शादी

मृतका श्रीकांति के जेठ राजेंद्र ने बताया कि सात फरवरी को उनके बेटे की शादी होनी है और घर में तैयारियां चल रही थीं। इस दुखद घटना ने सारी खुशियों पर ग्रहण लगा दिया है। शादी आगे बढ़ाई जाएगी या नहीं यह अभी तय नहीं हो पाया है। उन्होंने बताया कि वे चार भाई हैं और सभी के बीच कुल 16 बीघे जमीन है जिसमें से एक बीघा जमीन श्रीकांति के पति ने बेची है। राजेंद्र का कहना है कि उनकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं है।

ये है पूरा मामला

जिले में गोकुलपुर गांव में महिला शिक्षामित्र की मंगलवार की रात मारकर हत्या कर दी गई। सूचना पर एसपी, सीओ ने फॉरेंसिक टीम के साथ जांच की। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चला है कि गोली करीब एक मीटर दूर से मारी गई है। एक गोली गले में मारी गई जो खोपड़ी से पार हो गई। दूसरी गोली सीने में दाहिने तरफ मारी गई जो लिवर में फंसी मिली। पुलिस को घर में कुछ कारतूस भी मिले हैं।

लघुशंका के लिए उठी थीं

पुलिस को पति पर ही हत्या का शक है। असोहा थाना क्षेत्र के गोकुलपुर गांव की श्रीकांति रावत (39) पत्नी ओमकार रावत गांव के ही स्कूल में 20 साल से शिक्षामित्र थीं। घर में पति और 13 साल की बेटी रिया है। बड़ा बेटा रौनक अचलगंज थाना के कोरारी कला गांव में नाना के यहां रहकर पढ़ाई करता है। बेटी रिया ने बताया कि मंगलवार की रात करीब एक बजे मां लघुशंका के लिए उठी थीं, तभी उन्हें गोली मार दी गई।

घर चारों ओर से बंद है

गोली की आवाज सुनकर हम लोग पहुंचे, तो खून से लथपथ शव चारपाई पर पड़ा था। कुछ देर बाद पड़ोस में रहने वाले जेठ राजेंद्र भी आ गए और पुलिस को जानकारी दी। रात में ही एसपी जयप्रकाश सिंह, सीओ तेजबहादुर सिंह और एसओ फूल सिंह, फॉरेंसिक टीम के पहुंचे और जांच की। पति ओमकार ने बताया कि घर चारों ओर से बंद है। जीने में भी दरवाजा लगा है। इसके बाद भी बदमाशों ने अंदर आकर हत्या कर दी।

दो गोली मारकर हत्या की पुष्टि

पति की अटपटी सफाई पर पुलिस का उस पर शक गहरा गया। जांच के दौरान घर में कुछ कारतूस भी मिले हैं, जिससे पुलिस पति पर ही शक जता रही है। हालांकि अभी वह और साक्ष्य जुटाने और परिजनों के बयान लेने की बात कह रही है। जांच के लिए पुलिस की एक टीम बुधवार को स्कूल भी पहुंची। पैनल में शामिल मौरावां अस्पताल के डॉ. प्रशांत कुमार और बीघापुर अस्पताल के डॉ. ध्यानेंद्र सचान ने वीडियोग्राफी के बीच शव का पोस्टमार्टम किया।

गणतंत्र दिवस पर संविधान निर्माता का चित्र गायब

बीएसए ने लापरवाही पर स्कूलों को जारी किया सार्वजनिक नोटिस

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश में 77वां गणतंत्र दिवस पूरे उत्साह के साथ मनाया गया, लेकिन ब्लॉक कमालगंज और जहानगंज थाना क्षेत्र के बोहरना व समउद्दीपुर स्थित प्राथमिक व समीपवर्ती सरकारी विद्यालयों में गंभीर लापरवाही सामने आई। गणतंत्र दिवस के अवसर पर संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर का चित्र विद्यालयों में प्रदर्शित नहीं किया गया, जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी फैल गई।

स्थानीय नागरिकों ने आरोप लगाया कि विद्यालय देर से खुले, झंडारोहण निर्धारित समय से विलंब से हुआ और महापुरुषों के चित्रों का अभाव शिक्षकों की कार्यशैली व जिम्मेदारी पर सवाल खड़े करता है। मामले के संज्ञान में आते ही बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) विश्वनाथ प्रताप सिंह ने सभी संबंधित विद्यालयों को सार्वजनिक रूप से नोटिस जारी किया है। बीएसए ने नोटिस में विद्यालय देर से खुलने, झंडारोहण में देरी और महापुरुषों के चित्र न लगाए जाने के कारण स्पष्ट करने को कहा है। उन्होंने चेतावनी दी है कि संतोषजनक जवाब न मिलने पर संबंधित शिक्षकों व जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

» गणतंत्र दिवस पर डॉ. भीमराव अंबेडकर का चित्र नहीं लगाया गया

» विद्यालय देर से खुले, झंडारोहण में हुई देरी

» स्थानीय लोगों ने जताया विरोध, उठाए गंभीर सवाल

» बीएसए ने सभी स्कूलों को सार्वजनिक नोटिस जारी किया

» कारण स्पष्ट न होने पर कड़ी कार्रवाई के संकेत

चौथे आरोपी की अबतक गिरफ्तारी नहीं होने से पीड़ित परिवार हुआ भयभीत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

हमीरपुर। कस्बे में गत 15 जनवरी के हुए लव जिहाद धर्मांतरण के दबाव के मामले में पुलिस तेरह दिन बाद भी चौथे आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर पाई है जबकि पीड़ित परिवार आरोपियों से जान का खतरा बता कर सुरक्षा की गुहार लगा चुका।

इसके बाद पुलिस आरोपी को पकड़ने में नाकामयाब है।

कस्बे के कमलेश तिराहा निवासी अबान उर्फ अफ़ान खान कस्बे के एक हिंदू किशोरी को लव जिहाद में फंसा कर अश्लील वीडियो बना लिए थे। बाद में धर्मांतरण करके शादी का दबाव बनाया था।हिंदू किशोरी के मना करने के बाद आरोपी ने उसकी अश्लील वीडियो सोशल मीडिया में वायरल कर दिए थे।

इससे कस्बे में बवाल मच गया था। किशोरी के पिता ने अबान उर्फ अफान के साथ मुकदमे में उसके पिता मौलाना खान को आरोपी बनाया था। बाद में किशोरी के बयान अदालत में दर्ज होने पर पुलिस ने मुख्य आरोपी के अलावा अन्य दो नाम बताएं थे।

इनमें एक बाल अपचारी को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। जबकि चौथा आरोपी फरार है। यह आरोपी मुख्य आरोपी का रिश्तेदार बताया जा रहा है। पुलिस घटना के तेरह दिन गुजर जाने के बाद इसको गिरफ्तार नहीं कर सकी है।

जबकि पीड़ित परिवार आरोपियों से जान का खतरा बताकर सुरक्षा की मांग कर चुका है। पुलिस प्रशासन ने पीड़ित परिवार को सुरक्षा भी मुहैया करा दी है। इसके बाद पीड़ित परिवार असुरक्षित महसूस कर रहा है। थानाध्यक्ष अनूप सिंह ने बताया कि चौथे आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। पूरा परिवार कस्बा छोड़कर भूमिगत हो गया है। तलाश जारी है जल्द ही गिरफ्तार करके जेल भेजा जाएगा।

मिला इंसाफ

कानपुर देहात में किसान की हत्या व लूट का मामला

दो को आजीवन कारावास

दंपती को पांच साल की सजा

- किसान अशोक कुमार की 2014 में हत्या व लूट हुई थी
- दो दोषियों को आजीवन कारावास और अर्थदंड की सजा मिली
- साक्ष्य छिपाने वाले दंपती को पांच साल की कैद हुई

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। कानपुर देहात के सट्टी स्थित शाहजहांपुर गांव में 2014 में किसान अशोक कुमार की हत्या और लूट के मामले में विशेष न्यायाधीश एंटी डकैती कोर्ट ने फैसला सुनाय। सट्टी में वर्ष 2014 में नलकूप पर सो रहे किसान की हत्या कर लूट करने वाले दो दोषियों को स्पेशल जज एंटी डकैती कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। वहीं दोषी दंपती को पांच-पांच वर्ष कारावास की सजा सुनाई है। इन सभी पर अर्थदंड लगाया गया है जिसे न चुकाने पर अतिरिक्त कारावास काटना होगा।

एडीजीसी आशीष तिवारी ने बताया कि सट्टी के शाहजहांपुर गांव निवासी किसान अशोक कुमार 25 नवंबर 2014 की रात

अपने नलकूप पर लेटने गए थे। दूसरे दिन जब स्वजन नलकूप पर पहुंचे तो उनका शव नलकूप के कमरे में पड़ा था, किसी चीज से सिर पर वार करके हत्या की गई थी। साइकिल व मोबाइल फोन गायब था जिसे हत्यारोपित लूट ले गए थे। किसान के बेटे अनिल कुमार ने अज्ञात पर मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस की एक टीम को जांच पर लगाया गया।

इस तरह हुआ राजफाश

जांच के बाद सुराग लगा तो गांव के हरी सिंह व उसकी पत्नी सरोजा उर्फ सरोजनी, पुत्र पप्पू के अलावा उनके सहयोगी मोनू को गिरफ्तार कर लिया गया। उनकी निशानदेही पर गांव के बाहर से साइकिल, मोबाइल फोन, हत्या में इस्तेमाल सरिया व डंडा मिला था। मुकदमे की सुनवाई स्पेशल जज एंटी डकैती कोर्ट में चल रही थी। पुलिस ने चारों के खिलाफ चार्जशीट पेश की। गवाह व साक्ष्य भी प्रस्तुत किए गए। अभियोजन व बचाव पक्ष के बीच जमकर बहस हुई, अभियोजन ने कड़ी सजा दिए जाने की मांग की।

कोर्ट ने आरोपित पप्पू व मोनू को आजीवन कारावास की सजा सुनाई साथ ही दोनों पर 40-40 हजार का अर्थदंड लगाया। वहीं पप्पू के पिता हरी व मां सरोजा को साक्ष्य छिपाने का दोषी पाया, उनको पांच-पांच वर्ष कारावास की सजा सुनाई गई। दोनों पर अर्थदंड लगाया गया, इसे अदा न करने पर डेढ़ वर्ष का अतिरिक्त कारावास काटना होगा।

नारदाश्रम में 30 बटुकों का हुआ यज्ञोपवीत संस्कार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात ।(रसूलाबाद)। क्षेत्र के प्रसिद्ध नारदाश्रम चल रहे धार्मिक अनुष्ठान में प्रतिदिन भक्तगण पहुंच रहे हैं। बसंत पंचमी से हो रही राम कथा एवं सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार के तहत 30 बटुकों का उपनयन संस्कार हुआ।

सामूहिक यज्ञोपवीत में 30 बालकों का उपनयन संस्कार हुआ ।

जिसमें अंश तिवारी ,आशीष द्विवेदी, अतुल कुमार ,सुनील कुमार, राम जी दीक्षित ,विनय तिवारी, धर्मेंद्र कुमार ,राहुल कुमार ,मंजुल कुमार, शिव शुक्ला, आदर्श शुक्ला ,सचिन शुक्ला ,अमित अवस्थी, प्रवीण अवस्थी आदि बटुकों का य ज्ञोपवीत संस्कार पंडित राज मिश्रा, पंडित जयादित्य मिश्रा, आचार्य विपुल पांडेय ,अमन द्विवेदी, शिवा मिश्रा, टिटिल मिश्रा व आचार्य क्षेत्रपाल उपाध्याय की देखरेख में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ संपन्न हुआ। सभी बटुकों को घंटा घड़ियाल शंख ध्वनि के मध्य गायत्री मंत्र दिया गया। इस अवसर मौके पर भक्त पवन कुमार तिवारी, रामजी तिवारी,गोपाल दीक्षित, अविनाश तिवारी, सुदीप तिवारी, मंगलम, तेजू अवस्थी, अनंदीलाल अवस्थी आदि मौजूद रहे।

बारिश से लाही-आलू-चना को नुकसान, गेहूं को मिला फायदा

ईंट भट्ठा मालिकों को लाखों की क्षति, कच्ची ईंटें पानी में डूब गईं

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। क्षेत्र में हुई बेमौसम बारिश से किसानों के चेहरों पर कहीं खुशी तो कहीं निराशा दिखाई दी। बारिश और तेज हवा के चलते लाही की फसल गिर गई, वहीं आलू व चना की फसलों में भी नुकसान की संभावना जताई जा रही है। हालांकि गेहूं की फसल को इस बारिश से लाभ हुआ है।बीते दो दिनों में रसूलाबाद क्षेत्र के कस्बा सहित लालू, कहींजरी, असालतगंज, तिश्ती आदि गांवों में कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश हुई। गुरुवार को कोहरा छाया रहा और तेज हवाएं भी चलीं, जिससे लाही की फसल प्रभावित हुई। लालू निवासी किसान शरद द्विवेदी, बारापुर, कनपटियापुर, मल्हपुर, सुनासी व धरमूपुर गांवों के किसान सत्यपाल, कमलेश यादव,

विवेक पांडेय, अखिलेश सहित अन्य किसानों ने बताया कि गेहूं की फसल को बारिश से निश्चित रूप से फायदा हुआ है, लेकिन लाही, आलू और चना की फसलें नुकसान की चपेट में हैं।वहीं बेमौसम बारिश ने ईंट भट्ठा संचालकों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। बारिश से ईंट भट्ठों पर पथी हुई कच्ची ईंटों के पास जलभराव हो गया, जिससे लाखों रुपये की ईंटें खराब हो गईं। तिश्ती, कनपटियापुर, मल्हपुर और सुनासी

क्षेत्र में स्थित दुर्गा ब्रिक फील्ड के संचालक अंकुश बरेजा ने बताया कि अचानक हुई बारिश के कारण बड़ी संख्या में कच्ची ईंटें पानी में डूब गईं, जिससे उन्हें लाखों रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है।

बरगवां में भागवत कथा समापन, हुआ विशाल भंडारे का आयोजन

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात के बरौर थाना क्षेत्र स्थित ग्राम बरगवां में श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ के समापन के बाद विशाल भंडारे का आयोजन शुरू हो गया है। यह भंडारा आज सुबह 10 बजे से प्रारंभ हुआ, जिसमें क्षेत्र और गांव के सभी ग्रामीण प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं।

ग्राम बरगवां में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया गया था। सात दिनों तक चले इस धार्मिक कार्यक्रम में दोपहर में कथा का वाचन किया गया, जबकि रात्रि में विशाल झांकियों के दर्शन कराए गए। अंतिम दिन देर रात तक झांकियां देखने के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी रही।

पूर्णाहुति और हवन के बाद आज सुबह से ही भंडारे का प्रसाद वितरित किया जा रहा है। ग्रामवासियों ने सभी क्षेत्रवासियों से समय पर प्रसाद ग्रहण करने का आग्रह किया है। यह भंडारा शाम तक चलेगा।

इस पूरे कार्यक्रम को क्षेत्रवासियों और ग्रामवासियों के पूर्ण सहयोग से संपन्न कराया गया है। इसमें ग्राम के रोहित कश्यप, प्रशांत पाल, इंद्रजीत पाल, अंशु पाल, सुशील शर्मा, बृज किशोर कश्यप, संजू पाल, श्याम किशोर और विकास कुमार सहित कई अन्य लोगों ने सक्रिय रूप से सहयोग किया।

अब हाथ में नोटिस लेकर तहसील में चक्कर काट रहे मतदाता

नोटिस के बाद जवाब देने के लिए पहुंच रहे मतदाता

» स्वराज इंडिया न्यूज

कानपुर देहात (रसूलाबाद)। प्रगाढ़ मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया के बाद तीसरी श्रेणी में जिन मतदाताओं की मैपिंग हुई थी। अब उन मतदाताओं की नोटिस घरों में पहुंची तो बड़ी संख्या में मतदाता नोटिस का जवाब देने तहसील पहुंच रहे हैं। आलम यह है की तहसील में इन दिनों अन्य कामों को छोड़कर केवल एसाईआर के काम तेजी से हो रहे हैं। 7 फरवरी को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन है। जबकि नाइदर श्रेणी में गए मतदाताओं की सुनवाई 27 फरवरी तक चलेगी। जिसको लेकर युद्धस्तर पर कार्य जारी है।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर प्रदेश में प्रगाढ़ मतदाता पुनरीक्षण का कार्य हाल ही में संपन्न हुआ। इसके बाद ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन हुआ। इस दौरान जो लोग एसआईआर प्रक्रिया में अपने आवेदन पत्र नहीं जमा कर पाए या उनकी मैपिंग गलत हुई उनको नोटिस जारी हुई है। जिसकी सुनवाई के लिए अलग-अलग अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई। रसूलाबाद तहसील में जहां चकबंदी अधिकारी मतदाताओं की नोटिस का जवाब ले रहे हैं और अभिलेख जमा कर रहे हैं तो वहीं रसूलाबाद नगर पंचायत में अधिशासी अधिकारी कुल कमल सिंह भी आए हुए मतदाताओं का सत्यापन कर रहे हैं।

इसके साथ साथ ही ब्लॉक में भी ग्रामीण क्षेत्र के मतदाताओं की सुनवाई की प्रक्रिया चल रही है। एसआईआर प्रक्रिया के तहत जब मैपिंग का कार्य चल रहा था उस दौरान हुई लापरवाही का नतीजा मतदाताओं को भुगतना पड़ रहा है।

हालत यह है कि कुछ मतदाता तो 2003 की वोटर लिस्ट के बारे में जानते ही नहीं थे इसलिए अपना डाटा उस फॉर्म में नहीं भर सके तो कई मतदाता ऐसे थे जिन्होंने 2003 का डाटा एसआईआर फॉर्म में सही भरा इसके बावजूद भी वह तीसरी श्रेणी में चले गए और उन्हें नोटिस का जवाब देना पड़ रहा है। रसूलाबाद नगर पंचायत क्षेत्र के लोहिया नगर के रहने वाली कैसर बेगम ने एसआईआर प्रक्रिया के तहत अपना फार्म पूरी तरह से सही भरा था और संबंधित बीएलओ को जमा भी कर दिया था। बावजूद उसके ड्राफ्ट मतदाता सूची में उनका नाम ही नहीं आया।

जिसको लेकर उन्होंने उपजिलाधिकारी सर्वेश सिंह को शिकायती पत्र देकर अपना वोट मतदाता सूची में जुड़वाने की मांग की। इसी तरह सूलाबाद नगर पंचायत के कई वार्डों,ग्रामीण अंचल में जिम्मेदारों की लापरवाही से तमाम ऐसे मतदाता है जिन्होंने अपना आवेदन पत्र बिल्कुल सही भर कर दिया फिर भी उनके घर नोटिस आ गई और अब वे तहसील और ब्लॉक के चक्कर काट रहे हैं।

बारिश के बाद बढ़ी ठंड ठिठुरन से लोग ले रहे अलाव का सहारा

» स्वराज इंडिया न्यूज

कानपुर देहात। कड़ाके की ठंड के बाद बीते सप्ताह खिली धूप निकलने से लोगों को कुछ राहत मिली थी और ऐसा प्रतीत हो रहा था कि सर्दी अब विदा ले रही है। लेकिन बीती रात हुई बारिश और ठंडी हवाओं ने एक बार फिर मौसम का मिज़ाज बदल दिया है। इससे ठिठुरन तेज़ हो गई है और लोगों को दोबारा अलाव का सहारा लेना पड़ रहा है।रसूलाबाद क्षेत्र में इन दिनों जनजीवन अस्त-व्यस्त बना हुआ है। पिछले दो दिनों से धूप न निकलने और ठंडी हवाओं के चलने से लोगों का हाल बेहाल है। वहीं दूसरी ओर बारिश और ठंड का असर कुछ रबी की फसलों पर भी पड़ने की आशंका जताई जा रही है। शीतलहर के प्रकोप को देखते हुए लोग सुबह-शाम अलाव के पास जमा होकर ठंड से राहत पाने का प्रयास कर रहे हैं। नगर पंचायत प्रशासन की ओर से ठंड से बचाव के लिए मुख्य चौराहों और तिराहों पर अलाव जलवाए जा रहे

रनियां के नए वार्डों के लोगों की रिपोर्ट से पता चलेगी क्रोमियम के फैलने की स्थिति

120 लोगों के रक्त व पेशाब के नमूने जांच के लिए भेजे गए

» स्वराज इंडिया न्यूज

कानपुर देहात। रनियां के खानचंद्रपुर व उमरन में ढाई महीनों से हो रही रैंडम जांच में प्रत्येक व्यक्ति के खून में मानक से अधिक क्रोमियम मिल रहा है। इधर मंगलवार को आई पाल पुरवा के 104 लोगों की रिपोर्ट में सभी में मानक से अधिक क्रोमियम पाया गया है।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से क्रोमियम के बढ़ते प्रकोप का पता लगाने के लिए रनियां के चार नए वार्डों से 120 लोगों के रक्त व पेशाब के नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं। जिनकी रिपोर्ट आने पर रनियां में फैल रहे क्रोमियम व अन्य घातक तत्वों के खतरे का अंदाजा लगाया जा सकेगा। खानचंद्रपुर में क्रोमियम डंप से दूषित हुए भूजल का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। इसका परिणाम स्वास्थ्य विभाग की ओर से करवाई गई लोगों की रक्त की जांच बयां कर रही है। शुरुआत में स्वास्थ्य विभाग की ओर से उन क्षेत्रों में विशेष ध्यान दिया गया जहां क्रोमियम के चलते भूजल का रंग बदल गया मगर जांच में सभी के मानक से अधिक क्रोमियम मिलने व कुछ में मर्करी पाये जाने पर अधिकारियों ने विशेष सतर्कता बरतनी शुरू की है।

स्वास्थ्य अधिकारियों ने क्रोमियम के बढ़ते प्रकोप विभाग ने भी जांच का दायरा बढ़ाया है।

जिससे अधिकारी क्रोमियम व अन्य घातक तत्वों के बढ़ते प्रकोप का अंदाजा लगा सकें। साथ ही लोगों को इससे होने वाली स्वास्थ्य हानि पर भी अंकुश लगा सकें। हाल ही में स्वास्थ्य विभाग की ओर से रनियां के श्याम सुंदर वार्ड, आंबेडकर नगर, केशव नगर व बजरंग नगर वार्ड से भी 30-30 लोगों के रक्त व पेशाब के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे हैं। इसमें क्रोमियम व मर्करी की जांच के लिए नमूने डॉ. राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट लखनऊ भेजे गए हैं। जबकि फ्लोराइड की जांच के लिए नमूने रायबरेली एम्स भेजे गए हैं।

सीएमओ डॉ. एके सिंह ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की टीमें लगातार लोगों की सेहत का ख्याल रखने के लिए खानचंद्रपुर व उमरन में स्वास्थ्य शिविर लगाकर लोगों का उपचार कर रही हैं। लोगों के अंदर क्रोमियम, मर्करी व फ्लोराइड से होने वाले प्रभावों के लक्षण देखने को नहीं मिल रहे हैं।

कामचोरी करने वाली 'निकम्मों की फौज' की जरूरत नहीं: डीएम

स्वास्थ्य विभाग में उपकरण गायब, फर्जी वाउचर और अनुपस्थित कर्मियों पर डीएम का सख्त रुख

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फर्रुखाबाद। स्वास्थ्य सेवाओं को दुरुस्त करने के लिए सरकार जहां लाखों रुपये का बजट दे रही है, वहीं जिले में उपकरणों की चोरी, फर्जी वाउचर और कर्मचारियों की अनियमित उपस्थिति के गंभीर मामले सामने आए हैं। इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को 72 घंटे के भीतर दोषी कर्मचारियों और लापरवाह इकाइयों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

जिला स्वास्थ्य समिति की मासिक समीक्षा बैठक में डीएम ने अस्पतालों में फार्मासिस्टों की अनुपस्थिति पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने जिले के सभी सात विकास खंडों की रिपोर्ट 72 घंटे में तलब करते हुए पूछा कि किन चिकित्सालयों में कौन-कौन से उपकरण उपलब्ध नहीं हैं, और कोल्ड चेन कहां मौजूद है लेकिन काम नहीं कर रही।

डीएम ने शमशाबाद क्षेत्र के जर्जर चिकित्सालय के संबंध में तत्काल आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। साथ ही तीन सदस्यीय समिति गठित कर निष्क्रिय और कामचोर कर्मचारियों को चिन्हित कर सेवा मुक्त करने की प्रक्रिया शुरू करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि यह कार्यवाही नहीं हुई तो जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ भी कठोर कदम उठाए जाएंगे।

जिलाधिकारी ने सीएमओ को प्रतिदिन निगरानी करने और अधीनस्थों से रोजाना आवश्यक डाटा प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने दो टूक कहा ÷निकम्मों की फौज की कोई जरूरत नहीं है÷।

आयुष्मान भारत योजना की समीक्षा करते हुए डीएम ने प्रति माह एक लाख आयुष्मान कार्ड बनाए जाने का लक्ष्य तय किया और

इसकी दैनिक समीक्षा सुबह 9 बजे करने के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि कई जगह अधीनस्थों का कार्य 100 प्रतिशत पूरा नहीं हुआ है, प्रतिरक्षण अधिकारी सहित अन्य कर्मचारियों का प्रदर्शन भी संतोषजनक नहीं है। विशेष रूप से कायमगंज क्षेत्र में मात्र 41 प्रतिशत कार्य प्रगति पर नाराजगी जताते हुए डीएम ने जिम्मेदार कर्मचारियों के विरुद्ध आरोप पत्र जारी कर निलंबन की कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सख्त कार्रवाई से ही व्यवस्था में सुधार आएगा।

हालांकि टीकाकरण में विभाग की प्रगति को डीएम ने संतोषजनक बताया। साथ ही स्वास्थ्य विभाग को बेसिक शिक्षा और पंचायती राज विभाग से समन्वय स्थापित कर काम करने के निर्देश दिए।

बीएसए से सभी स्कूलों, बच्चों और उनके क्षेत्र का विवरण प्राप्त करने को कहा गया, और किसी स्कूल द्वारा सहयोग न करने की स्थिति में तत्काल सूचना देने के निर्देश दिए गए। बैठक में निर्देश दिया गया कि आयुष्मान कार्ड की समीक्षा बैठक में सभी संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें।

न्याय के काग़ज़ों पर डाका! फर्जी जमानत फैक्ट्री ध्वस्त

105 नक़ली मोहरें और 57 फर्जी जमानत रिपोर्ट बरामद, राजा मान सिंह गिरोह के 5 सदस्य गिरफ्तार

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। जनपद अयोध्या की धरती पर एक ऐसा गोरखधंधा पल रहा था, जो सीधे न्याय व्यवस्था की जड़ों में मट्ठा डाल रहा था। अदालत, तहसील, आरटीओ और थानों की नक़ली मोहरों से तैयार हो रही थीं फर्जी जमानत सत्यापन रिपोर्टें और इन्हीं काग़ज़ों के सहारे अपराधी सलाखों से बाहर घूम रहे थे। लेकिन इस अंधेरे कारोबार पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 गौरव ग्रोवर की सख़्त रणनीति और ज़ीरो टॉलरेंस नीति ने ऐसा प्रहार किया कि पूरा अंतर्राज्यीय फर्जीवाड़ा गैंग बेनकाब होकर ज़मीन पर आ गिरा।

एसएसपी अयोध्या के दिशा-निर्देशन, पुलिस अधीक्षक नगर चक्रपाणी त्रिपाठी व क्षेत्राधिकारी अयोध्या आशुतोष तिवारी के सशक्त पर्यवेक्षण में थाना पूराकलन्दर पुलिस, एसओजी और सर्विलांस टीम ने वह कर दिखाया जो अक्सर फाइलों में दबा रह जाता है न्याय के नाम पर हो रहे अपराध का पर्दाफाश। प्रेसवार्ता में एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने बताया कि थाना पूराकलन्दर में पंजीकृत मु.अ.सं. 07/26 के तहत गैंग लीडर राजा मान सिंह उर्फ मान सिंह के नेटवर्क से जुड़े पांच शातिर अभियुक्तों भीम प्रकाश शाही, सर्वेश कुमार, रवीन्द्र पाल, शम्भूनाथ और पवन कुमार को बुधवार तड़के सरियांवा नहर पुलिया के पास से दबोचा गया। इनके पास से जो बरामद हुआ, वह किसी अपराध कथा का अध्याय नहीं, बल्कि न्याय व्यवस्था पर किया गया संगठित हमला है।

इंटेलिजेंस-ड्रिवन पुलिसिंग का उदाहरण

आरोपियों के कब्जे से 57 अदद कूटरचित जमानत सत्यापन रिपोर्ट (विभिन्न थानों/जनपदों की) 25 अदद कूटरचित हैसियत सत्यापन रिपोर्ट, 105 नक़ली मोहरें (न्यायालय, जिलाधिकारी, तहसील, आरटीओ, थाना) 169 पासपोर्ट साइज फोटो, दर्जनों लिफ़ाफ़े, रजिस्टर और फ़ाइलें बरामद किया गया है। इन दस्तावेज़ों में अयोध्या, बस्ती, बाराबंकी, गोंडा, लखनऊ, रायबरेली, आज़मगढ़ समेत कई जनपदों के गंभीर मुकदमों से जुड़े जमानतदारों की फर्जी सत्यापन आख्या शामिल है। साफ़ है यह गैंग कानून की आँखों में धूल झोंकने का कारख़ाना चला रहा था। यह कार्रवाई सिर्फ़ गिरफ्तारी नहीं, बल्कि इंटेलिजेंस-ड्रिवन पुलिसिंग का उदाहरण है। सर्विलांस की सटीक निगरानी, एसओजी की ज़मीनी पकड़ और थाना पूराकलन्दर टीम की निर्भीक कार्रवाई इन सबको जोड़कर एसएसपी अयोध्या ने यह संदेश दिया कि न्याय से खिलवाड़ करने वालों के लिए अयोध्या सुरक्षित ठिकाना नहीं।

यूजीसी के नए नियमों के विरोध में राष्ट्रपति के नाम लिखा खून से खत

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

हाथरस। सुबह अपने घर पर चिकित्सक को बुलाया और अपना खून निकलवाकर प्लास्टिक के दोने में एकत्रित किया।

उस खून से यूजीसी के नए नियमों के विरोध में पत्र लिखा। पत्र में राष्ट्रपति से यूजीसी के नए नियमों को तुरंत समाप्त करने की मांग की गई है।

यूजीसी के नए नियमों के विरोध में 28 जनवरी को भारतीय किसान यूनियन (भानु) के अलीगढ़ मंडल अध्यक्ष व राष्ट्रीय सचिव राम ठाकुर ने राष्ट्रपति के नाम खून से लिखा पत्र बुधवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर एडीएम को सौंपा।

राम ठाकुर ने बताया कि 28 जनवरी की सुबह उन्होंने अपने घर पर चिकित्सक को बुलाया और अपना खून निकलवाकर प्लास्टिक के दोने में एकत्रित किया। उस खून से यूजीसी के नए नियमों के विरोध में पत्र लिखा। पत्र में राष्ट्रपति से यूजीसी के नए नियमों को तुरंत समाप्त करने की मांग की गई है।

राम ठाकुर का कहना है कि वह छात्रों के साथ किसी भी जाति विशेष के भेदभाव के खिलाफ हैं।

केंद्र सरकार को इस कानून में तत्काल बदलाव करना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कानून में बदलाव नहीं किया गया,

तो सवर्ण समाज सड़कों पर उतरकर इसका कड़ा विरोध करेगा। इस मौके पर शिवा ठाकुर, रजत ठाकुर, दिनेश ठाकुर, अमरसिंह, केके शर्मा, सत्येंद्र सिंह आदि लोग मौजूद थे।

भदरसा गैंगरेप केस में सपा नेता मोईद खान बरी, नौकर राजू खान दोषी करार

इस मामले में अयोध्या की राजनीति को हिला दिया था, डीएनए रिपोर्ट बनी केस का टर्निंग पॉइंट

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या के भदरसा इलाके से जुड़े बहुचर्चित गैंगरेप मामले में अदालत का फैसला सामने आते ही महीनों से चल रही सियासी बहस और प्रशासनिक कार्रवाई पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। पाक्सो प्रथम न्यायालय ने समाजवादी पार्टी के नेता मोईद खान को सभी आरोपों से बाइज्जत बरी कर दिया, जबकि उनके नौकर राजू खान को दोषी करार दिया है।

यह वही मामला है, जिसने 29 जुलाई 2024 को थाना पूराकलंदर में एफआईआर दर्ज होने के बाद अयोध्या की राजनीति और प्रशासनिक तंत्र को हिला दिया था। पीड़िता की तहरीर पर गैंगरेप जैसी संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज होते ही मामला अपराध से निकलकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप और त्वरित प्रशासनिक कार्रवाई का केंद्र बन गया।

मामला सामने आते ही प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया। जांच के दौरान मोईद खान की बेकरी और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स पर बुलडोजर चलाया गया, जिसने कानून व्यवस्था से ज्यादा जल्दबाज़ी बनाम न्याय की बहस को जन्म दिया। सवाल उठे क्या जांच पूरी होने से पहले ही फैसला सुना दिया गया?

राजू खान का डीएनए पॉजिटिव निकला

जांच के दौरान मोईद खान और राजू खान दोनों का डीएनए टेस्ट कराया गया। अदालत में पेश वैज्ञानिक साक्ष्य ने पूरे मामले की दिशा बदल दी। मोईद खान का डीएनए नेगेटिव पाया गया जबकि राजू खान का डीएनए पॉजिटिव निकला। इसी आधार पर अदालत ने साफ कहा कि मोईद खान के खिलाफ आरोप साबित नहीं होते, जबकि राजू खान के विरुद्ध लगे सभी आरोप पूरी तरह प्रमाणित हैं। फैसले के बाद मोईद खान के समर्थकों ने इसे निष्पक्ष न्याय की जीत बताया, वहीं पीड़िता पक्ष की निगाहें अब दोषी राजू खान को मिलने वाली सजा पर टिकी हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि दोषी को कानून के मुताबिक कठोर दंड दिया जाएगा। भदरसा गैंगरेप केस ने यह रेखांकित कर दिया कि आरोप और सबूत में फर्क होता है, और डीएनए जैसे वैज्ञानिक प्रमाण न्याय की सबसे मज़बूत कड़ी हैं।

एसआईआर फॉर्म बना सियासी संग्राम, मतदाता सूची पर उठे सवाल

» आरोप : कई मामलों में बीएलओ द्वारा समय पर नोटिस नहीं दिया गया

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या में एसआईआर फॉर्म को लेकर एक बार फिर सियासी पारा चढ़ गया है। समाजवादी पार्टी ने मतदाता सूची में गड़बड़ी का गंभीर आरोप लगाते हुए चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल खड़े किए हैं। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए सपा के पूर्व राज्य मंत्री पवन पांडे ने कहा कि एसआईआर फॉर्म भरने के बावजूद बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम सूची से काटे जा रहे हैं, जो लोकतंत्र के मूल स्वरूप पर सीधा प्रहार है।

पवन पांडे ने आरोप लगाया कि कई मामलों में बीएलओ द्वारा समय पर नोटिस नहीं दिया गया, बल्कि नोटिस को जानबूझकर दबाकर रखा गया, जिससे मतदाताओं को जवाब देने का अवसर ही नहीं मिला और निर्धारित समय-सीमा समाप्त हो गई। उन्होंने कहा कि यह बेहद चिंताजनक है कि 2003 से मतदाता सूची में दर्ज और 2024 में मतदान कर चुके नागरिकों के नाम भी काटे जा रहे हैं, जिससे स्पष्ट होता है कि प्रक्रिया में गंभीर खामियां हैं।

सपा नेता ने मांग की कि बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं को नोटिस दें, ताकि कोई भी पात्र नागरिक अपने मताधिकार से वंचित न हो। उन्होंने बीएलओ पर भाजपा के एजेंट की तरह काम करने का गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगी तो जनता इसका करारा जवाब देगी। समाजवादी पार्टी ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

नव्य अयोध्या विस्तार को रफ्तार, 600 एकड़ भूमि अधिग्रहण की तैयारी शुरू

पहले चरण में अधिगृहित 450 एकड़ भूमि पर आवंटन प्रक्रिया शुरू हो चुकी

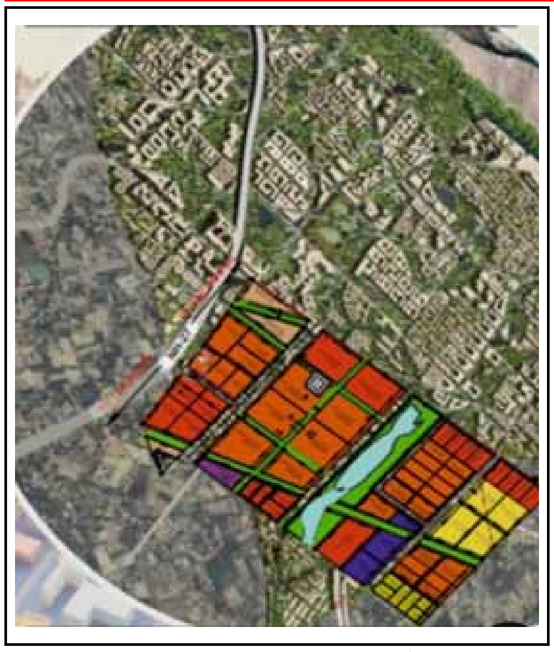

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

आवास विकास विभाग के सहायक अभियंता अजीत मौर्य के अनुसार, पहले चरण की भूमि पर आवंटन नीलामी और ऑनलाइन प्रणाली से किया जा रहा है। पूरे नव्य अयोध्या क्षेत्र में स्मार्ट ट्रैफिक मैनेजमेंट, अंडरग्राउंड केबलिंग, सीवेज ट्रीटमेंट और रेन वाटर हार्वेस्टिंग जैसी आधुनिक सुविधाएं लागू होंगी, जिससे पर्यावरण संतुलन और बुनियादी ढांचे को दीर्घकालिक मजबूती मिलेगी।

अयोध्या। नव्य अयोध्या को सुव्यवस्थित, आधुनिक और विश्वस्तरीय धार्मिक पर्यटन नगरी के रूप में विकसित करने की दिशा में प्रशासन ने विस्तार योजना के दूसरे चरण की तैयारियां तेज कर दी हैं। इस चरण में करीब 600 एकड़ भूमि अधिग्रहण प्रस्तावित है। वहीं पहले चरण में अधिगृहीत 450 एकड़ भूमि पर आवंटन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

नव्य अयोध्या विकास योजना को मास्टर प्लान 2031 के अनुरूप चरणबद्ध ढंग से लागू किया जा रहा है। पहले चरण में अधिगृहीत भूमि पर ड्रोन सर्वे, जियो-स्पेशियल मैपिंग और जीआईएस आधारित लेआउट के जरिए सेक्टरवार विकास किया जा रहा है, जिसमें सड़क, ड्रेनेज, सीवर, पेयजल, बिजली और ग्रीन कॉरिडोर की समग्र योजना शामिल है। राम मंदिर से लगभग 4.5 किलोमीटर दूर पूरब सरयू तट पर प्रस्तावित ग्रीन फील्ड टाउनशिप का कुल क्षेत्रफल 1407 एकड़ है। पहले चरण में शाहनेवाजपुर और बरहटा गांव की अधिकांश जमीन अधिगृहीत की जा चुकी है। अब तिहुरा मांझा क्षेत्र में लगभग 600 एकड़ भूमि के लिए धारा 28 का प्रकाशन कर दिया गया है। आपत्तियों के निस्तारण के बाद अगली कार्रवाई की जाएगी।

मौसम का मिजाज बदला, बारिश से तीन डिग्री गिरा तापमान, बढ़ी ठंड

अयोध्या। बुधवार को मौसम का मिजाज अचानक बदल गया। बीते 24 घंटों में रुक-रुक कर हुई बारिश के चलते तापमान में तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई, जिससे ठंड में इजाफा हुआ है। ठंडी हवाओं और बादलों की आवाजाही ने लोगों को सिहरने पर मजबूर किया। शहर में बारिश के कारण कई निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई।

सुबह से लेकर शाम तक दिन भर मौसम का मिजाज बदलता रहा। अल सुबह कई इलाकों में तेज तो कुछ जगहों पर बूंदा-बांदी हुई। सुबह 10 बजे के आस-पास धूप निकल गई, कुछ देर बाद फिर कुछ इलाकों में बारिश हुई। दिन भर आसमान में बादलों की आवाजाही लगी रही। अचानक हुई बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ। शहर के सरस्वती पुरम कालोनी में सीवर लाइन का काम चल रहा है। मलबा व मिट्टी के चलते बारिश के बाद इस रास्ते पर चलना दूभर हो गया। इसी तरह देवकाली मार्ग पर कई स्थानों पर जलभराव की स्थिति दिखी। देवकाली बाईपास से थोड़ा पहले सीवर का काम चल रहा है, यहां भी बारिश से फिसलन व कीचड़ जैसी स्थिति बन गई।

मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे में कुछ इलाकों में बारिश व बूंदाबांदी का अंदेशा जताया है। कृषि विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक अमरनाथ मिश्र ने बताया कि अगले 24 घंटे में हल्की बारिश हो सकती है। ओले भी पड़ सकते हैं। बुधवार को अधिकतम व न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई। अधिकतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, इसमें 3.2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट रही। जबकि न्यूनतम तापमान 14.5 डिग्री सेल्सियस रहा।

तन्हाई बैरक टूटा, ऊंची बाउंड्री फांदी, कैदी फरार

अयोध्या जिला जेल की सुरक्षा तोड़ कर दो बंदी फिल्मी अंदाज में भागे

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या जिला जेल की सुरक्षा व्यवस्था उस वक्त कटघरे में आ गई जब हत्या के प्रयास और बलात्कार के आरोपी दो बंदी तन्हाई बैरक तोड़कर ऊंची बाउंड्री वॉल फांदते हुए फरार हो गए। घटना के बाद जेल प्रशासन से लेकर पुलिस महकमे तक हड़कंप मच गया।

फरार कैदियों की पहचान गोलू अग्रहरि उर्फ सूरज अग्रहरी (निवासी अमेठी) और शेर अली (निवासी सुल्तानपुर) के रूप में हुई है। गोलू अग्रहरि हत्या के प्रयास के गंभीर मामले में जबकि शेर अली बलात्कार के आरोप में जेल में बंद था। सूत्रों के मुताबिक, दोनों कैदियों ने पहले तन्हाई बैरक को क्षतिग्रस्त किया, फिर जेल की ऊंची बाउंड्री वॉल फांदकर फरार हो गए। इस पूरी घटना ने जेल में तैनात पहरेदारों की सतर्कता और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन ने कैदियों की तलाश के लिए कई टीमें गठित कर संभावित ठिकानों पर दबिश शुरू की, लेकिन खबर लिखे जाने तक कोई सफलता हाथ नहीं लगी।

- ⇨ डीजी जेल ने जेल अधीक्षक सहित 6 अफसरों व आरक्षी को सस्पेंड किया

जेल अधीक्षक ने साधी चुप्पी

इस मामले में जब जेल अधीक्षक उदय मिश्र से प्रतिक्रिया मांगी गई तो उन्होंने कहा, मैं तैयार होकर आऊंगा, तब मीडिया के सवालों का जवाब दूंगा।

जिला जेल अयोध्या से दो कैदियों के फरार होने के मामले को गंभीरता से लेते हुए डीजी जेल पीसी मीणा ने कड़ी कार्रवाई की है। प्रथम दृष्टया लापरवाही पाए जाने पर वरिष्ठ जेल अधीक्षक यूसी मिश्रा, जेलर जेके यादव, डिप्टी जेलर मयंक त्रिपाठी, एक हेड जेल वार्डर, तीन जेल वार्डर को निलंबित कर दिया गया है। फरार कैदियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं और पूरे मामले की गहन जांच जारी है।

जेल की दीवारों से टकराते सवाल

- तन्हाई बैरक इतनी आसानी से कैसे टूट गया?
- पहरे पर तैनात प्रहरी उस वक्त क्या कर रहे थे?
- क्या जिला जेल की सुरक्षा सिर्फ कागजों तक सीमित है?
- क्या तन्हाई बैरक अब फरारी का "ट्रांजिट पॉइंट" बन चुके हैं?

आगरा: 4 घंटे में 3 एनकाउंटर
एक इनामी बदमाश ढेर

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

आगरा। आगरा में बीती रात अपराधियों के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। चार घंटे के भीतर शहर और आसपास के इलाकों में तीन अलग-अलग स्थानों पर हुई मुठभेड़ों में 25 हजार रुपये के इनामी एक कुख्यात बदमाश की मौत हो गई, जबकि दो अन्य इनामी बदमाशों को पैर में गोली लगने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। बदमाशों की फायरिंग में एक दरोगा और एक कांस्टेबल भी घायल हुए हैं। यह कार्रवाई हाल ही में एसएन स्टे गेस्ट हाउस में हुए सनसनीखेज हत्या कांड के बाद की गई।

हत्या की जांच में कालिंदी विहार निवासी राज चौहान की गोली मारकर हत्या में खंदौली के अरबाज खान मंसूरी और उसके साथियों की संलिप्तता सामने आई थी। इसके बाद डीसीपी सिटी सैय्यद अली अब्बास के नेतृत्व में नौ पुलिस टीमें गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई।

बुधवार रात पहली मुठभेड़ ट्रांस यमुना क्षेत्र में हुई, जहां एटा निवासी मोहित पंडित पुलिस से भिड़ गया और पैर में गोली लगने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। दूसरी मुठभेड़ डौकी क्षेत्र के नदौता के पास हुई, जहां गोशाला, इटावा निवासी आशु तिवारी घायल हुआ और उसे भी हिरासत में ले लिया गया। तीसरी और अंतिम मुठभेड़ तड़के करीब चार बजे टेढ़ी बगिया के पास हुई, जिसमें खंदौली निवासी अरबाज खान उर्फ मंसूरी मुठभेड़ में घायल हुआ और अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

- ⇨ हत्याकांड के बाद पुलिस का बड़ा एक्शन, दो बदमाश घायल
- ⇨ बदमाशों की फायरिंग में दरोगा और सिपाही भी घायल हुए

मुठभेड़ों के दौरान बदमाशों की ओर से की गई फायरिंग में एसआई ऋषि और कांस्टेबल मनोज घायल हुए हैं, जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। पुलिस के अनुसार तीनों बदमाशों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। हत्याकांड में शामिल कुल 34 लोगों की पहचान कर ली गई है और शेष आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है।

अजित पवार को अंतिम विदाई
समर्थकों और नेताओं का भारी जनसैलाब

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मुंबई/बारामती। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री और लोकप्रिय नेता अजित पवार के निधन के बाद उनके पार्थिव शरीर को बुधवार को उनके बारामती स्थित काटेवाड़ी आवास से विद्या प्रतिष्ठान ग्राउंड ले जाया गया, जहाँ उन्हें अंतिम विदाई दी गई। पूरे क्षेत्र में उनके समर्थकों और नागरिकों की भारी भीड़ जुटी रही।

श्रद्धालु और समर्थक 'अजित दादा अमर रहें' के नारे लगाते हुए अंतिम संस्कार स्थल की ओर बढ़ते रहे। विद्या प्रतिष्ठान ग्राउंड पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ ही राजनीतिक रूप से भी यह कार्यक्रम महत्वपूर्ण बन गया।

केंद्रीय राजनेता और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने अंतिम संस्कार में भाग लेकर अजित पवार को श्रद्धांजलि अर्पित की। केन्द्री गृह मंत्री अमित शाह, देवेंद्र फडणवीस, एकनाथ शिंदे के अलावा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार, सांसद सुप्रिया सुले, और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के प्रमुख राज ठाकरे विद्या प्रतिष्ठान ग्राउंड पर मौजूद रहे।

- ⇨ 'अजित दादा अमर रहें' के नारे गूंजे, विद्या प्रतिष्ठान ग्राउंड में श्रद्धांजलि अर्पित की गई
- ⇨ अमित शाह, शरद पवार, देवेंद्र फडणवीस, नितिन गडकरी समेत कई दिग्गज नेता मौजूद रहे

इसके अलावा कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री सुशील कुमार शिंदे तथा कांग्रेस सांसद प्रणिति शिंदे भी अंतिम संस्कार में शामिल हुए। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी पुणे एयरपोर्ट से विशेष विमान द्वारा बारामती पहुंचे और शोक व्यक्त किया। पूरे वातावरण में शोक का माहौल था, और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता श्रद्धांजलि देने के लिए एकत्र हुए।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादकः पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com